SUBTITLE

বাংলা ॥ हिन्दी ॥ English

الحمد لله و الصلاة والسلام على سيدنا محمد وعلى اله وصحبه وسلم

مَنْ أَحَبَّ لِقَاءَ اللهِ أَحَبَّ اللهُ لِقَاءَهُ وَمَنْ كَرِهَ لِقَاءَ اللهِ كَرِهَ اللهُ لِقَا

Whoever desires and looks forward to meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la,

যে ব্যক্তি আল্লাহর সাথে সাক্ষাতের ইচ্ছা পোষণ করে,

जो व्यक्ति अल्लाह की साथ मुलाकात करने का इच्छा रखता है,

Allah would love meeting him.

আল্লাহও তার সাথে সাক্ষাতে পছন্দ করেন।

अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में पसंद करता है।

And whoever dislikes meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la,

আর যে ব্যক্তি আল্লাহর সাথে সাক্ষাৎ করতে অপছন্দ করে,

और जो व्यक्ति अल्लाह के साथ मुलाकात करने में ना पसंद करता है,

Allah will dislike meeting him.

আল্লাহও তার সাথে সাক্ষাৎ করতে অপছন্দ করবেন।

अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में ना पसंद करेगा।

When Aisha Radiallahu A'nha heard this,

যখন আয়িশা রাদিয়াল্লাহু আনহু এ কথা শুনলেন,

जब आयशा राः ने यह बात सुना,

Ayesha Radiallahu A'nha would question,

আয়েশা রাদিয়াল্লাহু আনহু প্রশ্ন করলেন,

आयशा राः ने सवाल किया,

If he doesn't understand something, she would question.

যখন তিনি কিছু বুঝতে পারতেন না, তিনি প্রশ্ন করতেন।

जब उन्हें कुछ समझ नहीं आता था, तो वह सवाल पूछते थे।

So she told Rasulullah ﷺ ,

তাই তিনি রাসূলুল্লাহ সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়া সাল্লাম কে বললেন,

तो उसने रसूलुल्लाह ﷺ से कहा,

ومن منا لا يكرها الموت ؟

And who of us doesn't dislike death ?

আর আমাদের ভিতরে কে মৃত্যুকে অপছন্দ করে না ?

और हमने से कौन मृत्यु को ना पसंद नहीं करता ?

We dislike death !

আমরা মৃত্যুকে অপছন্দ করি !

हम मृत्यु को ना पसंद करते हैं !

Does that meaning we dislike death ?

এটার অর্থ কি এই যে, আমরা আল্লাহর সাথে সাক্ষাতকে অপছন্দ করি ?

क्या इसका मतलब यह है कि, हम अल्लाह से मुलाकात करने में नापसंद करते हैं?

Rasulullah ﷺ said, ليس كذلك

রাসুলুল্লাহ ﷺ বললেন, ليس كذلك

रसूलुल्लाह साः ने कहा, ليس كذلك

This is not what I mean!

না, আমার কথার উদ্দেশ্য এটা নয় !

नहीं , मेरा यह मतलब नहीं है !

Rasulullah ﷺ says,

রাসুলুল্লাহ ﷺ বলেন,

रसूलुल्लाह ﷺ कहता है,

ولَكِنَّ المُؤْمِنَ إذا حَضَرَهُ المَوْتُ بُشِّرَ برِضْوانِ اللَّهِ وكَرامَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أحَبَّ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ فأحَبَّ لِقاءَ اللَّهِ، وأَحَبَّ اللَّهُ لِقاءَهُ،

Rasulullah ﷺ says, but the believer when he is about to die

রাসুলুল্লাহ ﷺ বলেন, কিন্তু মুমিনরা যখন মৃত্যুর কাছাকাছি উপস্থিত হয়

रसूलुल्लाह ﷺ कहता है, लेकिन मोमिन जब मौत के करीब उपस्थित होते हैं

He will be given the news that

তাকে এই সুসংবাদ দেওয়া হবে যে,

उसको यह खुशखबरी दी जाएगी कि,

Allah is pleased with him and that Allah will honor him.

আল্লাহ তার উপর সন্তুষ্ট হয়েছেন এবং তাই তিনি তাকে সম্মানিত করবেন।

अल्लाह उसके पर संतुष्ट है और इसलिए उस को सम्मानित करेंगे।

So the most beloved thing to him becomes his future,

তাই তার পরবর্তী মুহূর্তগুলো তার কাছে সবচেয়ে প্রিয় জিনিস হয়ে দাড়ায়,

इसीलिए उसका भविष्य उसके पास सबसे पसंदीदा चीज हो जाता है,

what is laying ahead.

যা তার সামনেই অবস্থান করছে।

जो उनके सामने ही है।

And he would love to meet Allah Suhanahu Wa Ta'la,

এবং সে আল্লাহ সুবহানাহু ওয়া তায়ালা-র সাথে সাক্ষাৎ করতে চাই,

और वह अल्लाह के साथ मुलाकात करना चाहते हैं,

so Allah would loves to meet him .

তাই আল্লাহও তার সাথে সাক্ষাৎ করতে পছন্দ করবেন।

इसीलिए अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में पसंद करेंगे।

وإنَّ الكافرَ إذا بُشِّرَ بعَذابِ اللَّهِ وعُقُوبَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أكْرَهَ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ كَرِهَ لِقاءَ اللَّهِ، وكَرِهَ اللَّهُ لِقاءَهُ

But the non-believer when he was about to die

কিন্তু অবিশ্বাসীরা যখন মৃত্যুর কাছাকাছি অবস্থান করে

लेकिन जब अविश्वासी मौत के करीब होते हैं

he is given the news that,

তখন তাকে এই সংবাদ দেওয়া হয় যে,

तब उसको यह खबर दिया जाता है कि,

Allah Suhanahu Wa Ta'la is angry with him and that he will punish him.

আল্লাহ সুবহানাহু ওয়া তা' আলা তোমার উপর ক্রুদ্ধ হয়েছেন এবং অবশ্যই তাকে শাস্তি দিবেন।

अल्लाह तुम पर नाराज हुआ है, इसलिए जरूर तुम्हें सजा देंगे।

So the most disliked thing to him becomes,

তাই তার কাছে সবচেয়ে অপছন্দের বিষয় হয়ে ওঠে,

इसीलिए उसके पास सबसे ना पसंदीदा चीज होता है،

what is facing him ahead,

যার মুখোমুখি সে হতে যাচ্ছে !

जिसका सामना वह करने जा रहा है।

So he dislikes meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la

তাই সে আল্লাহ সুবহানাহু ওয়া তায়ালার সাথে সাক্ষাৎকে অপছন্দ করে

इसीलिए वह अल्लाह के साथ मुलाकात करने मैं नापसंद करता है,

and Allah Suhanahu Wa Ta'la dislikes meeting him.

এবং আল্লাহ সুবহানাহু ওয়া তায়ালাও তার সাথে সাক্ষাৎ কেউ অপছন্দ করে

और अल्लाह भी उनके साथ मुलाकात करने में नापसंद करता है।

And even after the person dies,

এমনকি সেই ব্যক্তি মৃত্যুর পরে,

यहां तक की उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी,

And he is carried on the Janazah!

যখন তাকে জানাজার জন্য নিয়ে যাওয়া হয় !

जब उसके जनाजा के लिए ले जाया गया।

Rasulullah ﷺ says in a Hadith narrated by Al Bukhari ,

বুখারী থেকে বর্ণিত একটি হাদিসে রাসূলুল্লাহ ﷺ বলেন,

बुखारी से वर्णित एक हदीस में रसूलल्लाह ﷺ कहते हैं,

إذَا وُضِعَتِ الجِنَازَةُ، فَاحْتَمَلَهَا الرِّجَالُ علَى أعْنَاقِهِمْ، فإنْ كَانَتْ صَالِحَةً قالَتْ: قَدِّمُونِي، قَدِّمُونِي، وإنْ كَانَتْ غيرَ صَالِحَةٍ قالَتْ: يا ويْلَهَا، أيْنَ يَذْهَبُونَ بهَا؟ يَسْمَعُ صَوْتَهَا كُلُّ شيءٍ إلَّا الإنْسَانَ، ولو سَمِعَهَا الإنْسَانُ لَصَعِقَ

Rasulullah ﷺ says,

রাসূলুল্লাহ ﷺ বলেন,

रसूलल्लाह ﷺ कहते हैं,

When the Janazah is placed

যখন তার জানাযা অনুষ্ঠিত হয়

जब उसके जनाजा अनुशुचित होते हैं

and the man carry it on their shoulders,

এবং সেই ব্যক্তিকে যখন কাঁধে করে নিয়ে যাওয়া হয়,

और जब उस व्यक्ति को कंधे में ले जाती है,

if it is a righteous person,

যদি এটা একজন মুমিন ব্যক্তি হয়,

अगर यह एक मोमिन व्यक्ति है,

if it is a righteous person it could say,

যদি এটি একজন মুমিন ব্যক্তি হয় তাহলে বলবে,

अगर यह एक मोमिन व्यक्ति है तो कहेगा,

go as fast as you can.

যত দ্রুত সম্ভব আমাকে নিয়ে যাও

जितनी जल्दी संभव मुझे ले जाओ

This person is in hurry to go to Grave

এই ব্যক্তি কবরে যাওয়ার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়বে

इस व्यक्ति कबर में जाने के लिए व्यस्त हो जाएगा

Because he is anticipating the Reward of Allah

কারণ সে আল্লাহর থেকে পুরস্কারের জন্য প্রত্যাশা করেছে

क्योंकि वह अल्लाह से इनाम के लिए उम्मीद करता है

And Rasulullah ﷺ says, if it is otherwise (an evil person)

এবং রাসুলুল্লাহ ﷺ বলেন, যদি এটি অন্যথায় একজন খারাপ ব্যক্তি হয়,

और रसूलुल्लाह ﷺ कहते हैं, अन्यथा अगर यह एक खराब लोग होते हैं,

Then this person would say,

তাহলে সে বলবে,

तब वह कहेगा,

Woe to it, where are you taking me ?

আফসোস ! তোমরা আমাকে কোথায় নিয়ে যাচ্ছো ?

अफसोस! तुम लोग मुझे कहां ले जा रही हो ?

And Rasulullah ﷺ says, Everyone will hear that sound except the human beings

আর মানুষ ব্যতীত প্রত্যেকেই এই শব্দ শুনতে পাবে,

और रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, और इंसान के बगैर हर किसी ने यह आवाज सुन पाएगा

and if human beings were able to hear it,

এবং মানুষ যদি এটা শুনতে পেত,

और अगर इंसान यह सुन सकता था ,

they would die due to that shock!

তাহলে তারা এই আঘাতে (চিৎকার শব্দে) মারা যেত !

तब वे इस झटके (चिल्लाने की आवाज) में मर जाते।

That shock cause them Death!

এই আঘাত-ই তাদের মৃত্যুর কারণ হত !

इस झटके उसका मौत का कारण होता !

If they would hear that sound, of person saying,

তারা যদি ওই ব্যক্তিকে এটা বলতে শুনতো,

यदि वे उस व्यक्ति की वह आवाज सुने जो कह रही है,

do not take me there

আমাকে সেখানে নিয়ে যেও না

मुझे वहां पर मत लेकर जाओ

Where are you taking me? Woe to this person ! where are you taking me?

তোমরা আমাকে কোথায় নিয়ে যাচ্ছো ? আফসোস এই ব্যক্তির জন্য ! তোমরা আমাকে কোথায় নিয়ে যাচ্ছো ?

तुम सब मुझे कहां ले जा रही हो ? अफसोस इस लोग के लिए ! तुम सब मुझे कहां ले जा रही हो ?

Rasulullah ﷺ said that if the people were able to hear that

রাসুলুল্লাহ সাঃ বলেন, যদি মানুষ এটা শুনতে পেত

रसूलुल्लाह साः कहते हैं, अगर लोग यह सुन सकता था तो

they would die

তারা মারা যেত

तो वह सब मर जाते

They would die due to the shock

তাহলে তারা এই আঘাতেই মারা যেত

वह सब इस झटके के कारण मर जाते थे

Shock, A shock is Death, due to the shock!

আঘাতে (ঝটকায়), একটি আঘাতে (ঝটকায়) মারা যেত, আঘাতের (ঝটকার) কারণে

झटके में, एक झटके में मर जाते , झटके के कारण

This is the reality that we don't know, this is the reality

এটাই বাস্তবতা যা আমরা জানি না, এটাই বাস্তবতা

वही असलियत है जो हम नहीं जानते , यही असलियत है

Rasulullah ﷺ says,

রাসুলুল্লাহ সাঃ বলেন,

रसूलुल्लाह साः कहते हैं,

if it wasn't the fact that none of you would burry the dead

যদি বিষয়টা এমন না হতো যে, তোমরা কেউ মৃতকে দাফন না করতে

अगर तथ्य ऐसा नहीं होता कि, तुम मुर्दा को दफन ना करते

I would have asked Allah Suhanahu Wa Ta'la to allow you to hear the sound

তাহলে আমি আল্লাহর কাছে অনুরোধ করতাম

তিনি যেন তোমাদের এই শব্দ শোনার অনুমতি দেন

तो फिर मैं अल्लाह से अनुरोध करता था,

इस कबर वासियों की चीख सुनाई देने के लिए

which are the sounds of the people in the grave (their voices)

কবরের ব্যক্তিদের চিৎকার (তাদের আওয়াজ)

कब्र की लोगों की चीख (उनके आवाज)

Rasulullah ﷺ said,

রাসুলুল্লাহ সাঃ বলেন,

रसूलुल्लाह साः कहते हैं,

Allah Suhanahu Wa Ta'la,

আল্লাহ সুবহানাহু ওয়া তা'লা,

अल्लाह Suhanahu Wa Ta'la,

I could ask him to allow to hear the voices ,

আমি তার কাছে অনুমতি প্রার্থনা করতে পারতাম , তাদের কান্না (চিৎকার) শুনতে দেওয়ার জন্য !

मैं उस से अनुरोध कर सकता था , इस कबर वासियों की चीख सुनाई देने के लिए

Of the punishment of the grave

কবরের আযাবের

कबर की आजाब का

But I am afraid if I do so

কিন্তু আমি ভয় হয় যদি আমি এমনটা করি

लेकिन मैं डरता हूं कि अगर मैं ने ऐसा किए

that none of you would burry their dead

তাহলে তোমরা মৃতকে আর দাফন করবে না

तो फिर तुम लोग मुर्दा को और दफन आओगी नहीं

صلى الله على سيدنا محمد وعلى اله وصحبه وسلم تسليما كثيرا

Translator

As-Saif Media